विज्ञप्ति

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर का समाचार पत्र

संस्करण 9 अंक 01, जनवरी 2025

विषयवस्तु

- **भारतीय वित्त सम्मेलन 2024**
- **उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत – भा.प्र.सं. रायपुर**
- **भारतीय बैंकिंग और वित्तीय परिदृश्य**
- **समझौता ज्ञापन (MoU)**
- **युवा संगम – पाचवां चरण**
- **प्रबंध विकास कार्यक्रम (MDP) की नई श्रृंखला**
- **व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमबीए) हेतु प्रवेश**
- **कार्यकारी शिक्षा और परामर्श**

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने भारत वित्त सम्मेलन 2024 का आयोजन कियाः वैश्विक वित्त विशेषज्ञों की सहभागिता

भारत के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर, 'उद्यमियो के निर्माण' के लिए सराहा जाता है, ने भारत वित्त सम्मेलन (IFC) 2024, की सफल मेज़बानी की। यह सम्मेलन भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता, भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलोर और भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया।

19 से 21 दिसंबर 2024 के दौरान आयोजित इस सम्मेलन में देश–विदेश से वित्त क्षेत्र के विशेषज्ञों और विचारशील नेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने ज्ञान के आदान–प्रदान और विचारोत्तेजक संवाद को प्रोत्साहित किया।

सम्मेलन के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में श्री अक्षय साहनी, पूर्व प्रबंध निदेशक एवं एशिया–प्रशांत नकद इक्विटी व ईसीएम ट्रेडिंग प्रमुख तथा इक्विटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग के सह–प्रमुख, गोल्डमैन सैक्स, हांगकांग, की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख वक्ता के रूप में प्रोफेसर याकोव अमीहुड, इर्रा रेनर्ट प्रोफेसर ऑफ एंटरप्रेन्योरियल फाइनेंस, स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के निदेशक प्रोफेसर राम कुमार कांकाणी ने सभी विशिष्ट प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, विचारशील नेताओं और दूरदृष्टा व्यक्तित्वों की उपस्थिति, भारत वित्त सम्मेलन 2024 की महत्ता को दर्शाती है। यह सम्मेलन वित्तीय नेतृत्व की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने वाले विचारों और ज्ञान–साझा को आगे बढ़ाने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त जगत निरंतर परिवर्तित हो रहा है और नए दृष्टिकोणों की खोज अनवरत जारी है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, जो कि 'उद्यमियो के निर्माण' के लिए जाना जाता है, को गर्व है कि वह भारत वित्त सम्मेलन (IFC) 2024 की मेज़बानी कर रहा है, जिसे भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता, भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलुरु और भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। दिसंबर में निर्धारित यह सम्मेलन विशेषज्ञों और वित्तीय क्षेत्र के विचारशील नेताओं को एक साथ लाकर ज्ञानवर्धक चर्चाओं और विचारों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देता है। हम उन समकालीन विषयों और उभरते रुझानों की दिशा में चर्चा कर रहे हैं जो उद्योग के भविष्य को आकार दे रहे हैं। विषय पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने आगे कहा, "विकास की अधिकतम मात्रा 1950 से 2000 के दशक के दौरान हुई, जब ब्लैक–शोल्स मॉडल, सीएपीएम और वर्तमान तरलता मापदंड जैसे सिद्धांत विकसित हुए।"

मुख्य अतिथि सहनी ने कहा, "हम सभी को अपने शिक्षकों और प्राध्यापकों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। सीखने की प्रक्रिया केवल कक्षा तक सीमित नहीं होती, बल्कि उनसे मिली शिक्षा जीवन भर हमारे साथ रहती है। सबसे गंभीर वित्तीय संकट वहीं उत्पन्न होते हैं, जहाँ अत्यधिक उधारी (leverage) ली जाती है; यही विनाश का मुख्य कारण बनता है।" यदि आप इसके लिए पहले से तैयार रहें और संकेतों को पहचानें, तो यह निवेश और वित्त की दुनिया में हमेशा एक अच्छी सलाह मानी जाती है। ट्रेडिंग और पूंजी बाजार, चाहे आप कितनी भी गहन विश्लेषण करें, अंततः संभावनाओं का खेल है, और आप परिणाम को लेकर कभी भी पूर्णतः निश्चित नहीं हो सकते।" उन्होंने छात्रों को यह भी सलाह दी, "कम आत्मविश्वास और अनिर्णायक स्थिति में छोटे–छोटे निर्णयों से छेड़छाड़ करने का कोई अर्थ नहीं है। अच्छी तरह से तैयारी करें, और जब अवसर दिखे, तो पूरी ताकत से आगे बढ़ें।"

इस संगोष्ठी की मुख्य विशेषता तीन आकर्षक उद्योग पैनल सत्र थे, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हुए। पहला पैनल चर्चा "जलवायु वित्त" (Climate Finance) पर केंद्रित थी। दूसरा सत्र "भारतीय वित्तीय बाजारों पर नियामक परिवर्तनों के प्रभाव" पर आयोजित किया गया, जबकि तीसरे सत्र का विषय था – "भारतीय बैंकिंग और वित्तीय परिदृश्य में फिनटेक, डिजिटल वित्त और एआई की भूमिका।"

यह तीन दिवसीय आयोजन भारतीय वित्त संघ की वार्षिक बैठक, एक भव्य रात्रिभोज तथा एक मनमोहक सांस्कृतिक संध्या भी प्रस्तुत किया गया, जिसने प्रतिभागियों को बौद्धिक सहभागिता और अविस्मरणीय मनोरंजन का आदर्श संगम प्रदान किया।

दृष्टि

"एक ऐसा प्रमुख प्रबंधन संस्थान बनना, जो जिज्ञासा, समझदारी और नवाचार को बढ़ावा देते हुए, पढ़ाई और शोध के ज़रिए नेतृत्व की सोच को प्रेरित करे।"

उद्देश्य

"ऐसे भावी लीडर का निर्माण करना जो शोध, अभ्यास और सतत् शिक्षण के माध्यम से प्रबंधन के क्षेत्र में नई सोच और सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम हों।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने उभरते उद्यमियों एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए उन्नत उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (ESDP) का शुभारंभ किया।

तेज़ी से बदलते आर्थिक परिवेश में दीर्घकालिक सफलता के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना और व्यावसायिक दक्षता में सुधार अत्यंत आवश्यक है। इसी आवश्यकता की पूर्ति हेतु, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) के अंतर्गत आने वाले उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (ESDP) प्रभाग तथा भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने दो उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की घोषणा की है, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों नेताओं और उभरते उद्यमियों को सशक्त बनाएंगे।

"नवीन उद्यम सृजन हेतु उन्नत ESDP कार्यक्रम उन लोगों के लिए तैयार किया गया है जिनके पास नवाचारी विचार हैं और वे उन्हें लाभदायक व्यवसायों में परिवर्तित करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम 3 फरवरी से 7 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। पाँच दिनों की इस गहन प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागी बाजार विश्लेषण, व्यावसायिक योजना निर्माण तथा संचालन संबंधी रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों की गहराई से समझ प्राप्त करेंगे।"

साथ ही, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) के लिए "व्यवसाय विस्तार हेतु उन्नत प्रबंधन विकास कार्यक्रम (Advanced MDP)" का आयोजन 3 फरवरी से 8 फरवरी, 2025 तक किया जाएगा। यह छः दिवसीय कार्यक्रम विशेष रूप से वर्तमान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों स्वामियों और प्रबंधकों के लिए तैयार किया गया है। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य संचालन के विस्तार, स्केलेबल व्यवसाय मॉडल के निर्माण तथा प्रतिस्पर्धी बाज़ारों में सतत विकास प्राप्त करने हेतु रणनीतिक उपकरणों पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करना है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर की उद्यमिता अध्यक्ष, डॉ. वर्षा मामिडी ने इन कार्यक्रमों के महत्व पर बल देते हुए कहा:"सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के साथ ESDP साझेदारी, उद्यमशील प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और "सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को उनके विस्तार में सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल और रणनीतिक उपकरण प्रदान करते हैं, जिनकी आज के व्यवसायिक परिवेश में चुनौतियों का सामना करने और एक स्थायी प्रभाव छोड़ने के लिए आवश्यकता होती है।"

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर, भारतीय सेना और छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ (CGMFP फेडरेशन) मिलकर आदिवासी महिलाओं को औषधीय वन उत्पादों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए सहयोग करेंगे।

भारतीय सेना (मुख्यालय–COSA), भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर और CGMFP फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ की आदिवासी महिलाओं के लिए सतत आजीविका और सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने हेतु संयुक्त पहल की है।

भारतीय सेना ने शांती काल में नागरिक जनसंख्या की सहायता में एक दीर्घ और अत्यंत सम्मानित इतिहास दर्ज किया है। मुख्यालय COSA के कमांडिंग अधिकारी ब्रिगेडियर आनंद के नेतृत्व में, सेना आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे उच्च महत्व के उद्देश्य का समर्थन करने के लिए कई पहल कर रही है। इनमें छत्तीसगढ़ जड़ी–बूटी उत्पादों की "अपनी सेना को जानिए'' कार्यक्रम में भागीदारी शामिल है, जो पहली बार छत्तीसगढ़ में रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित की गई थी। इतिहास में पहली बार मुख्यालय COSA की पहल पर, बस्तर की आदिवासी महिलाएँ 15 दिसंबर 2024 को भारतीय सेना प्रमुख के निवास पर आयोजित ' विजय दिवस ' की 'एट होम' समारोह में शामिल हुई। इस विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, तीनों सैन्य दलों के प्रमुख और कई विदेशी गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हर्बल्स को विशिष्ट सम्मान देते हुए एक स्टॉल प्राप्त हुआ है, जहाँ उनके उत्पाद प्रदर्शित किए गए। अतिथियों को उपहारस्वरूप छत्तीसगढ़ हर्बल्स का वाइल्ड फॉरेस्ट हनी, कोदो कुकीज और वनजा एनर्जी बार प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल – जिसमें भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर से पीएमयू प्रमुख श्री हर्ष चतुर्वेदी व वन धन विकास केंद्र, बकावंड, जगदलपुर से सुश्री बेलाबली मौर्य शामिल हुई – छत्तीसगढ़ हर्बल्स की सफलता की कहानी प्रस्तुत किया, जो आदिवासी महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्वतंत्रता की प्रेरणादायक मिसाल है।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद वनों से एकत्रित लघु वनोपज से बनाए जाते हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता है। प्रधानमंत्री वन् धन योजना के अंतर्गत, आदिवासी समुदाय की 17,000 से अधिक महिला स्व–सहायता समूह (SHG) सदस्य आयुर्वेदिक औषधियाँ, जूस, कैंडी, वाइल्ड फॉरेस्ट हनी, बस्तर काजू, कुकीज़, महुआ–आधारित ऊर्जा बार जैसे अनेक उत्पाद तैयार करती हैं। ये सभी उत्पाद भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर द्वारा CGMFP फेडरेशन के सहयोग से स्थापित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ हर्बल्स के नाम से निर्मित व विपणन किए जाते हैं।छत्तीसगढ़ हर्बल्स को उपभोक्ताओं से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, जो कि पिछले चार वर्षों में 600% की वृद्धि से स्पष्ट होती है। छत्तीसगढ़ हर्बल्स, लघु वनोपज आधारित भारत का पहला एफएमसीजी ब्रांड बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने भारत वित्त सम्मेलन 2024 का आयोजन कियाः भारतीय बैंकिंग और वित्तीय परिदृश्य के रूपांतरण में फिनटेक, डिजिटल वित्त और एआई की भूमिका

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, जो अपनी 'उद्यमियो के निर्माण' की विरासत के लिए प्रसिद्ध है, को भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरु और भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के सहयोग से भारत वित्त सम्मेलन (IFC) 2024 की मेज़बानी करने का गौरव प्राप्त हुआ। 19 दिसंबर से 21 दिसंबर 2024 तक आयोजित यह प्रतिष्ठित आयोजन, वित्तीय क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञों और विचारशील नेताओं को एक मंच पर लाया, जिससे समृद्ध संवाद और प्रभावशाली ज्ञान–विनिमय संभव हुआ। भारत वित्त सम्मेलन 2024 के अंतिम दिन, एक उद्योग पैनल सत्र का आयोजन किया गया, जिसका विषय थाः "भारतीय बैंकिंग और वित्तीय परिदृश्य के रूपांतरण में फिनटेक, डिजिटल वित्त और एआई की भूमिका"। इस फिन समिट की शुरुआत प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ हुई, जिनमें शामिल थेः शिप्रा सूदन, क्लाइंट पार्टनर, फ्रैक्टल, रमणाथन गुरुराजन, वरिष्ठ निदेशक, डेटा और एआई, त्मसंदजव, आशीष पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुख्य अनुपालन अधिकारी, Fino Payment Bank Ltd, जसप्रीत सिंह अरोड़ा, मुख्य वित्तीय अधिकारी, Cogent E Services इस पैनल चर्चा का संचालन प्रो. विजय भास्कर मारिसेट्टी, भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापट्टनम द्वारा किया गया।

चर्चा की शुरुआत शिप्रा सूदन द्वारा की गई, जिन्होंने फ्रैक्टल विश्लेषण को विश्लेषण सेवाओं के क्षेत्र में एक वैश्विक अग्रणी संस्था के रूप में प्रस्तुत किया, जो मुख्य रूप से Fortune 500 कंपनियों को सेवाएँ प्रदान करती है। उन्होंने फ्रैक्टल की विशिष्ट "CFO Analytics" पद्धति पर बल दिया, जो विश्लेषणात्मक तकनीकों को वित्तीय अंतर्दृष्टियों के साथ एकीकृत करती है। फ्रैक्टल का प्रमुख ध्यान धोखाधड़ी प्रबंधन पर केंद्रित है, जहाँ जनरेटिव एआई (GenAI) द्वारा संचालित ऐतिहासिक और कृत्रिम डेटा का उपयोग करके संभावित धोखाधड़ी की भविष्यवाणी की जाती है और बैंकिंग संस्थानों की सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाता है।

रमणाथन गुरुराजन ने अपनी कंपनी के वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित कार्यों पर चर्चा की, जहाँ 1,000 से अधिक कर्मचारी, जिनमें पोर्टफोलियो और वेल्थ मैनेजर शामिल हैं तथा बेंगलुरु में कंपनी की प्रमुख उपस्थिति है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और जनरेटिव एआई (GenAI) के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया, और बताया कि इस क्षेत्र में राजस्व की अत्यधिक संभावनाएँ हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस वर्ष भारत के 80% बैंक चौटबॉट को अपना चुके हैं। उन्होंने यह भी उजागर किया कि मज़बूत एआई एवं डेटा विनियमों, कार्यबल के पुनः प्रशिक्षण (Reskilling) और आधुनिक आधारभूत संरचना की आवश्यकता है। उन्होंने GenAI को लागत–संवेदनशील और रणनीतिक ढंग से अपनाने पर बल दिया, ताकि इसकी क्षमता का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

आशीष पाठक ने जनसामान्य तक पहुँच बनाने में डिजिटल बैंकिंग की बदलती भूमिका को रेखांकित किया, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के पेमेंट बैंक मॉडल और 100% डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्रक्रियाओं द्वारा संचालित किया जा रहा है। उन्होंने यह उल्लेख किया कि डिजिटल भुगतान से संबंधित 60% से अधिक धोखाधड़ी के मामले साइबर अपराध की श्रेणी में आते हैं। इसके समाधान हेतु उन्होंने बैंकों, फिनटेक कंपनियों, और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) जैसे नियामक निकायों के सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर बल दिया।

सम्मेलन में संबोधित करते हुए जसप्रीत सिंह अरोड़ा ने अपनी कंपनी के ग्राहक संपर्क बिंदुओं (customer touchpoint) पर केंद्रित दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जो 12 शहरों में फैले 60 से अधिक घरेलू ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान कर रही है, तथा टियर–2 शहरों में इसकी मजबूत उपस्थिति है। उन्होंने बताया कि कंपनी की मुख्य आय बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र से आती है, जहाँ वे ग्रहकों के खातों से अनधिकृत कटौती जैसी समस्याओं को ग्राहक–प्रथम एवं सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण से सुलझाते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने ई–कॉमर्स क्षेत्र में कंपनी की उपलब्धियों को साझा किया, जैसे कि नॉन–डिलीवरी रिटर्न में 50% की कमी, और सटीक छुट्टे की उपलब्धता जैसी चुनौतियों का समाधान।

भारत वित्त सम्मेलन (IFC), भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर द्वारा एक संगीतमयी संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें 2023 के इंडियन आइडल प्रतिभागी शगुन पाठक एवं अन्य प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। यह आयोजन अत्यंत सफल रहा, जिसमें अतिथियों, प्राध्यापकों, उनके परिवारजनों तथा छात्रों ने भाग लिया और उत्कृष्ट संगीत व मनोरंजन से भरपूर शाम का आनंद लिया।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर और छत्तीसगढ़ पुलिस के बीच मानव तस्करी से लड़ने हेतु ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने मानव तस्करी से लड़ने की दिशा में एक नवाचारी और महत्वपूर्ण पहल करते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रणनीतिक साझेदारी, हमारे समय

की सबसे गंभीर सामाजिक समस्याओं में से एक का समाधान खोजने के प्रति दोनों संस्थानों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मानव तस्करी की रोकथाम और पुनर्वास के लिए नीतियाँ तैयार करना है। यह एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके तहत मानव तस्करी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर व्यापक अनुसंधान किया जाएगा।यह समझौता शैक्षणिक शोध और कानून प्रवर्तन विशेषज्ञता को जोड़ते हुए, इस जटिल समस्या के समाधान हेतु अंतर्विषयक (interdisciplinary) दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

इस समझौते के तहत भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर मानव तस्करी के पीड़ितों के मूलभूत कारणों, सामाजिक–आर्थिक प्रभावों तथा पुनर्वास संबंधी आवश्यकताओं को समझने के लिए गहन अध्ययन करेगा। यह साझेदारी छत्तीसगढ़ राज्य में मानव तस्करी को कम करने पर केंद्रित होगी, जिसके अंतर्गत व्यापक कार्य योजनाओं एवं आँकड़ों पर आधारित नीतियों का विकास किया जाएगा। इस अध्ययन के निष्कर्ष सामाजिक हस्तक्षेप एवं कानून प्रवर्तन पहलों की प्रभावशीलता को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस समझौता ज्ञापन (MoU) के अंतर्गत जिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को रेखांकित किया गया है, उनमें शामिल हैं —

छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी के कारणों की पहचान करना, पीड़ितों को पुनः शिकार बनने से रोकने के लिए योजनाएँ बनाना, तथा मानव तस्करी की रोकथाम और इससे प्रभावित व्यक्तियों–विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सहायता हेतु एक सशक्त नीति तैयार करना। इन उद्देश्यों का मुख्य फोकस दीर्घकालिक समाधान की स्थिरता, सशक्तिकरण, और पुनः एकीकरण (reintegration) सुनिश्चित करना है।

यह समझौता ज्ञापन (MoU), जिसका हस्ताक्षर छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय में हुआ, मानव तस्करी के विरुद्ध संघर्ष में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है और सामाजिक न्याय तथा मानवाधिकारों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है। यह आयोजन एक ऐतिहासिक क्षण का प्रतीक है, जो एक सुरक्षित और अधिक समतामूलक समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों को बल प्रदान करता है, और शैक्षणिक संस्थानों व कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच भविष्य की साझेदारियों के लिए एक आदर्श मानक स्थापित करता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने असम प्रतिनिधिमंडल के साथ युवा संगम चरण–V कार्यक्रम का सफल समापन किया

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने युवा संगम चरण–V के अंतर्गत पाँच दिवसीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत किया। यह कार्यक्रम एक रंगारंग समापन सत्र के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। असम से आए प्रतिनिधियों ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराओं और जनजीवन से जुड़ाव का एक स्मरणीय अनुभव प्राप्त किया, जो सीखने, समझने और भावनात्मक जुड़ाव की एक प्रेरक यात्रा थी।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के मड़ई ऑडिटोरियम में आयोजित समापन सत्र में पूर्व लोकसभा सांसद एवं छत्तीसगढ़ के सबसे युवा सांसद रहे श्री अभिषेक सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने प्रतिनिधियों को ऐसे अनुभव अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जो उन्हें उनके सुविधा क्षेत्र (comfort zone) से बाहर ले जाएँ। उन्होंने कहाः "जब भी जीवन आपको अपनी सीमाओं–बौद्धिक या शारीरिक–से आगे बढ़ने का अवसर दे, तो उसे अवश्य स्वीकारें। ऐसे अनुभव आपके व्यक्तित्व में एक अद्भुत

आत्मविश्वास भरते हैं, और वह परिवर्तन अमूल्य होता है।" उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु और उदार मानसिकता बनाए रखने की सलाह देते हुए कहाः "अपने अनुभवों पर मनन करने के लिए सदैव समय निकालें, क्योंकि वही चिंतन आपको स्वयं के बारे में कुछ नया समझने में मदद करेगा और आपके विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।"

सत्र के दौरान असम से आए प्रतिनिधियों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, जिसमें राज्य की समृद्ध परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और समुदाय जीवन की झलक प्रस्तुत की गई।

प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम के दौरान हुए अपने रूपांतरणकारी अनुभवों को भी साझा किया, जो सीखने, आत्मविकास और सांस्कृतिक समझ के दृष्टिकोण से अत्यंत प्रेरक रहे।

"हमारे कॉलेज में पढ़ाई मुख्यतः सैद्धांतिक ज्ञान पर केंद्रित होती है। ''युवा संगम'' ने मुझे यह समझने में मदद की कि ये सिद्धांत वास्तविक जीवन और प्राकृतिक परिवेश–विशेषकर वन्यजीवों–में कैसे लागू होते हैं। इस कार्यक्रम ने मुझे असम के विभिन्न जिलों से आए साथियों से जुड़ने और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत को निकट से अनुभव करने का अद्भुत अवसर भी दिया।"

समापन समारोह में भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार कांकाणी, प्रो. आशापूर्णा एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसके पश्चात धन्यवाद ज्ञापन और सामूहिक छायाचित्रण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पाँच दिवसीय इस यात्रा के दौरान असम से आए प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के बहुआयामी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं औद्योगिक परिदृश्य का गहन अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने सिरपुर के पुरातात्विक स्थल, बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य, तथा एशिया के सबसे बड़े इस्पात उद्योग का भ्रमण किया। प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की लोकसंगीत, व्यंजन और सांस्कृतिक विविधता का भी अनुभव किया। साथ ही, उन्होंने नया रायपुर स्मार्ट सिटी, राज्य संग्रहालय, और गोलबाज़ार जैसे जीवंत बाज़ारों का दौरा कर स्थानीय समुदायों के साथ संवाद किया। इसके अतिरिक्त, भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के छात्रों और श्री चंपेश्वर बंकर सहकारी समिति, मण्डलोरे के साथ हुए संवादात्मक सत्रों ने इस अनुभव को और भी समृद्ध और अविस्मरणीय बना दिया।

इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए अपने राज्य के साथियों से संवाद स्थापित करने और अविस्मरणीय यादें संजोने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर को इस ज्ञानवर्धक एवं सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम की मेज़बानी कर अत्यंत प्रसन्नता हुई, जिसने 'विविधता में एकता' की भावना को सशक्त रूप से समर्थन प्रदान किया।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने 'युवा संगम चरण–V' के अंतर्गत असम के छात्रों का छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति का अनुभव करने हेतु स्वागत किया

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, जो 'उद्यमियो के निर्माण' के लिए पहचाना जाता है, ने शिक्षा मंत्रालय की प्रमुख पहल 'युवा संगम चरण–V' के अंतर्गत असम विश्वविद्यालय, सिलचर से आए 45 छात्रों और 5 समन्वयकों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत आयोजित यह सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 26 से 30 दिसंबर, 2024 तक चलेगा। इसका उद्देश्य पर्यटन, परंपराएं, विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में साझा अनुभवों के माध्यम से युवाओं के बीच आपसी समझ और संबंधों को सुदृढ़ करना है।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह में उत्तर मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (DRM), श्री संजीव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री कुमार ने छात्रों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से जानने और अनुभव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहाः "भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है, और 'युवा संगम' जैसे कार्यक्रम युवाओं को हमारे राष्ट्र की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति को जानने, अनुभव करने और आत्मसात करने का एक अद्भुत मंच प्रदान करते हैं। मैं आप सभी को अधिक से अधिक यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ, क्योंकि यह न केवल आपके दृष्टिकोण को विस्तृत करेगा, बल्कि उस एकता को भी मजबूत बनाएगा जो हमारे देश की पहचान है।"

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के निदेशक, प्रो. राम कुमार कांकाणी ने प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत किया और इस अवसर का लाभ उठाकर भारत के युवाओं के बीच समझ और एकता को गहरा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहाः "भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में असम से आए उत्साही छात्रों की मेज़बानी करना हमारे लिए एक सौभाग्य की बात है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित यह 'युवा संगम' पहल एक परिवर्तनकारी कार्यक्रम है, जो परस्पर सीख, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और क्षेत्रों के बीच गहरे संबंधों को बढ़ावा देने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति में बहुत कुछ अनुभव करने योग्य है। मैं सभी प्रतिनिधियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस अनुभव का भरपूर लाभ लें और ऐसी यादें एवं सीखें लेकर लौटें जो जीवन भर उनके साथ रहें।"

कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रतिनिधियों को कार्यक्रम किट वितरित की गई, जिससे छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं को जानने की एक समृद्ध पाँच दिवसीय यात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई। यह सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, असम और छत्तीसगढ़ के बीच संबंधों को सुदृढ़ करता है, जिसमें भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर और असम विश्वविद्यालय, सिलचर को इस प्रयास के नोडल संस्थानों के रूप में चुना गया है।

युवा संगम प्रतिनिधियों के लिए सुव्यवस्थित रूप से निर्धारित यह पाँच दिवसीय यात्रा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और विकासात्मक विरासत को समझने का एक अनूठा और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान करेगा। भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर में आइस–ब्रेकिंग गतिविधियों से शुरू होकर, प्रतिनिधियों को कार्यशालाओं और आकर्षक छत्तीसगढ़ी लोक प्रस्तुतियों के माध्यम से राज्य की समृद्ध परंपराओं से परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा में सिरपुर के पुरातात्विक स्थल और बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण शामिल है, जो राज्य की विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को प्रदर्शित करते हैं। प्रतिनिधि भिलाई इस्पात संयंत्र में औद्योगिक प्रगति का अनुभव करेंगे और पुरखौती मुक्तांगन की यात्रा कर राज्य की सांस्कृतिक विविधता को और गहराई से समझेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल से संवाद, राज्य संग्रहालय, राजभवन, बुढ़ा तालाब, और विवेकानंद सरोवर जैसे प्रमुख स्थलों की यात्रा भी सम्मिलित है। योग सत्र और फिल्म प्रदर्शन के साथ इस यात्रा का समापन होगा, जो प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ के पर्यटन, परंपराओं और प्रगति से समग्र रूप से परिचित कराएगा, और उन्हें अविस्मरणीय स्मृतियाँ एवं मूल्यवान अनुभव प्रदान करेगा।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम 2025-27 बैच के लिए स्वतंत्र प्रवेश प्रक्रिया की घोषणा की, CAP 2025 से बाहर हुआ

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, जो 'उद्यमियो के निर्माण' के लिए एक अग्रणी संस्थान के रूप में जाना जाता है, ने घोषणा की है कि वह अपने प्रतिष्ठित दो वर्षीय प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश हेतु आगामी सत्र से स्वतंत्र चयन प्रक्रिया के माध्यम से उम्मीदवारों का चयन करेगा। भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, संयुक्त प्रवेश प्रक्रिया

(CAP) 2025 का भाग नहीं होगा, और उम्मीदवारों का मूल्यांकन सीधे कैट स्कोर और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। यह प्रक्रिया संस्थान के दृष्टिकोण और उद्देश्यों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करने के लिए अधिक लक्षित और अनुकूलित दृष्टिकोण प्रदान करेगी।

इस रणनीतिक परिवर्तन के साथ, भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर का लक्ष्य अभ्यर्थियों को एक सरल, सुव्यवस्थित और व्यक्तिगत आवेदन प्रक्रिया प्रदान करना है, जो प्रबंधन शिक्षा में शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति संस्थान की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रोफ़ाइल की छंटनी की प्रक्रिया जनवरी 2025 के दूसरे सप्ताह से आरंभ होगी। प्रवेश साक्षात्कार भारत के आठ प्रमुख शहरों–मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, लखनऊ, बेंगलुरु, नई दिल्ली, गुवाहाटी और रायपुर–में आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार संभावित रूप से 10 फरवरी से 9 मार्च 2025 के मध्य आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी पात्रता मानदंड, चयन प्रक्रिया एवं दिशा–निर्देशों सहित समस्त जानकारी भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के आधिकारिक प्रवेश पोर्टल से प्राप्त कर सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में इस प्रमुख प्रबंधन संस्थान ने लैंगिक विविधता के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति की है। 2022-2024 बैच के लिए अधिकतम वार्षिक पैकेज ₹42-29 लाख तथा औसत पैकेज ₹18-15 लाख प्रति वर्ष रहा। अपनी समृद्ध विरासत और सुदृढ़ उद्योग संबंधों के चलते संस्थान ने गत शैक्षणिक वर्ष की प्लेसमेंट प्रक्रिया में 116 कंपनियों को आकर्षित किया, जिनमें से 38 नए नियोक्ता पहली बार शामिल हुए। संस्थान लगातार शैक्षणिक विविधता का उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहाँ इंजीनियरिंग, विज्ञान, वाणिज्य, कला, चिकित्सा, विधि, होटल प्रबंधन जैसे विभिन्न पृष्ठभूमियों से छात्र शामिल होते हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर का दो वर्षीय प्रमुख दो वर्षीय प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम इस प्रकार सुनियोजित है कि यह छात्रों को व्यवसाय प्रबंध, विश्लेषणात्मक दक्षता और नवाचारशील सोच की ठोस नींव प्रदान करते हुए उन्हें भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करता है। यह कार्यक्रम अपने समृद्ध और सहभागी पाठ्यक्रम, उद्योग–उन्मुख परियोजनाओं तथा अनुभवात्मक शिक्षण अवसरों के माध्यम से यह सुनिश्चित करता है कि छात्र विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली जटिल व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने और सार्थक परिवर्तन लाने में सक्षम बनें।

"रणनीतिक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (SCEO-I) हेतु कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम – प्रथम बैच का समापन समारोह"

रणनीतिक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (SCEO Batch–I) हेतु कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम का समापन समारोह एक गरिमामय अवसर रहा, जिसने इस परिवर्तनकारी यात्रा की सफल पूर्णता को चिह्नित किया गया। इस समारोह के साथ रणनीतिक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के प्रथम बैच ने अपनी प्रशिक्षण यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है।

यह कार्यक्रम सीखने और मनोरंजन का एक समृद्ध मिश्रण बनाते हुए इस प्रकार डिज़ाइन किया गया था कि प्रतिभागियों को नेतृत्व, निर्णय–निर्धारण, व्यक्तिगत विकास तथा प्रायोगिक सिमुलेशन अभ्यासों पर आधारित रोचक

कक्षा सत्र प्रदान किए जा सकें। इस अनुभवात्मक एवं यात्रा–आधारित दृष्टिकोण ने सभी प्रतिभागियों के लिए व्यावसायिक विकास और आनंद का संतुलित समन्वय सुनिश्चित किया।

सभी प्रतिभागियों को उनकी प्रतिबद्धता, कठिन परिश्रम और सफलता के लिए हार्दिक बधाई। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस कार्यक्रम के दौरान अर्जित कौशल और ज्ञान उन्हें आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करने और अपने–अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

कार्यकारी शिक्षा और परामर्श सेवाएँ

कार्यकारी अध्ययन कार्यक्रम / प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDP) का समापन दिसंबर 2024 में हुआ।				
क्र.सं.	**पाठ्यक्रम शीर्षक**	**आरंभ एवं समापन तिथि**	**प्रतिभागियों की संख्या**	**कार्यक्रम संकाय (डॉ./प्रो.)**
1	'वित्तीय समझ' दक्षता एचपी नवा 2.0 (प्रथम एवं द्वितीय बैच)	8 अक्टूबर –3 दिसम्बर 2024	40 प्रतिभागी प्रति बैच	प्रो. राम कुमार कांकाणी(का.नि.) प्रो. राजेश पाठक (का.नि.)
2	अडाणी समूह के अधिकारियों हेतु 'यंग लीडर्स कार्यक्रम'–बैच–III	2–14 दिसम्बर 2024	36 प्रतिभागी	प्रो. जागरूक डावरा (का.नि.) प्रो. गोपाल कुमार (का.नि.) प्रो. राजीव ए. (का.नि.)
3	"मूल नेतृत्व क्षमताओं के निर्माण" पर 5 दिवसीय ओपन (MDP)	18–22 दिसम्बर 2024	14 प्रतिभागी	प्रो. राम कुमार कांकाणी(का.नि.) प्रो. रितु गुप्ता (का.नि.)